BJS
Bharatiya Jain Sanghatana

भारतीय जैन संघटना समाचार

फरवरी 2016
वर्ष 1 अंक 4

श्री शांतीलाल मुथ्था
संस्थापक

आधुनिक युग में, परिवर्तन गतिमान
युवाओं के समक्ष हैं, चुनौतियाँ महान
कैसे हो सफल व्यवसाय से सुदृढ़ अर्थतंत्र
बस देना है उन्हें यही मन्त्र, गुरुमन्त्र

व्यावसायिक सक्षमीकरण अभियान

आधुनिक एवं स्पर्द्धात्मक व्यावसायिक जगत में समय की मांग के अनुरूप

भारतीय जैन संघटना निर्मित *iBuD* एवम् विविध महत्वपूर्ण कार्यक्रम

राष्ट्रीय अध्यक्ष की कलम से....2

नये व्यवसाय-
कब, कहाँ और कैसे ?.....4

प्रतिभाएँ-
जो हमारी प्रेरणास्त्रोत हैं.....6

व्यावसायिक tour-iBuD3.....8

नई पीढ़ी हेतु व्यापार की
नई संभावनाए.....3

बीजेएस गतिविधियाँ.....5

अल्पसंख्यक सूचनाएँ,
जानकारी एवं समाचार.....7

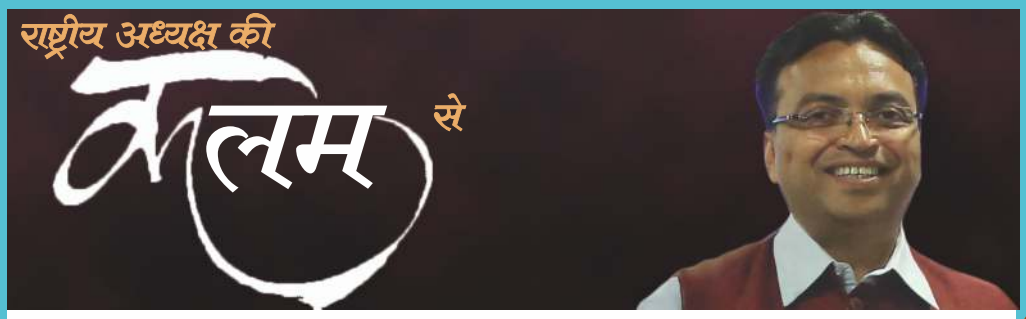

राष्ट्रीय अध्यक्ष की कलम से

प्रिय आत्मजन,

कहते हैं कि समय को पंख लगे होते हैं। वित्तीय वर्ष 2015-16 की समाप्ति मे अब कुछ ही दिन शैष रह गए हैं. व्यावसायिक व आर्थिक दृष्टि से यह वर्ष हमारे लिए कैसा रहा? जैन समुदाय हेतु यह आत्मनिरीक्षण का विषय होना चाहिए, क्योंकि परंपरागत रूप से हम व्यवसायी हैं.

व्यापार का संचालन जैन समाज हेतु मात्र जीवनयापन का जरिया ही नहीं रहा. व्यावसायिक योग्यता, सही निर्णय लेने की क्षमता, आयोजन-नियोजन संबंधी अनुभव, अवसरों को मापने की कला एवं कठोर परिश्रम आदि गुण हमारी सफलता का मुख्य आधार रहे हैं. इतिहास गवाह है कि हमारी इन विशेषताओं के बल-बूते पर हमने व्यावसायिक साम्राज्य खड़े किए व देश की वाणिज्यिक बागडोर सदियों से हमारे हाथों में रही. कुछ दशकों पूर्व तक शिक्षा का अभाव भी हमारी सफल व्यावसायिक यात्रा में अवरोध रूप नहीं रहा.

मित्रों, समय परिवर्तनशील है. परिवर्तन की आंधी में सदियों पूर्व निर्मित हमारी कुशल व्यवसायी की स्पष्ट एवं प्रबल छाप अब धुंधली होती जा रही है। इसके अनेक कारण हैं जो चिंतन का विषय हैं. पारंपरिक रूप से व्यवसाय संचालन करने वाला हमारा समाज, बदलते समय में आ रहे परिवर्तनों के साथ कदम से कदम मिलाकर चलने की मानसिकता को विकसित ही नहीं कर सका है। वर्तमान युवा पीढ़ी चुनौतियों को स्वीकार करने की जगह उच्च शिक्षा के बल पर white collar jobs पसंद कर रही है. रोजगार प्रदान करने वाला हमारा समाज आज नौकरियाँ पाने हेतु कतार मे खड़ा है। परिणामस्वरूप देश का व्यवसाय नियंत्रण जैन समाज के हाथों से खिसक चुका है जो जैन समाज के व्यावसायिक जगत् में आने वाले भीषण तूफान का संकेत है.

आज उच्च शिक्षा का बोलबाला है, टेक्नोलॉजी उसकी चरम सीमा पर है तथा परिवहन एवं संदेश व्यवहार की असीमित उपलब्धता ने व्यवसाय के स्वरूप को संपूर्णतः बदल डाला है. व्यवसाय के वैश्वीकरण की दिन-प्रतिदिन बलवती होती प्रक्रिया, टेक्नोलॉजी का विस्तार व उसका व्यवसाय पर नियंत्रण आदि के मद्देनजर जैन समुदाय की भावी पीढ़ियों को सही मार्गदर्शन देना आज की महती जरुरत है.

समाज की आवश्यकतानुरूप भारतीय जैन संघटना ने i-BuD (Igniting Business Development) नामक संकल्पना को एक वर्ष पूर्व मूर्त रूप प्रदान किया. यह कार्यक्रम् समाज के युवा उद्यमियों एवं व्यवसायियों की मानसिकता बदलने के साथ व्यवसाय की चुनौतियों का सफलता से सामना करने व वर्तमान मे आधुनिक एवं टेक्नोलॉजीयुक्त व्यवसाय शैली को समझने का अवसर प्रदान करता है. इस साप्ताहिक कार्यक्रम में प्रतिदिन विभिन्न शहरों के ऐसे महान् उद्यमियों से साक्षात्कार के साथ संवाद स्थापित करने का अवसर प्राप्त होता है, जिन्होंने शून्य से सृजन कर इतिहास रचा है. साथ ही IIM–Ahmadabad, ISB-Hyderabad, FLAME-Pune आदि विश्वस्तरीय मैनेजमेंट इंस्टिट्यूट के प्रोफेसरों, जिन्होंने अपना संपूर्ण जीवन व्यवसायिक रिसर्च में बिताया, उनसे मुलाकात एवं उनके अनुभवों के आधार पर भविष्य की व्यावसायिक सम्भावनाओं की जानकारी युवा प्रतिभागियों को प्राप्त होती है.

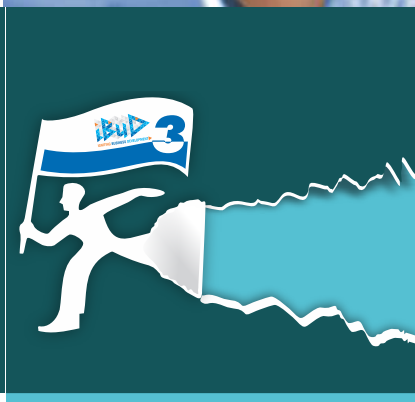

मेरी आपसे से करबद्ध प्रार्थना है कि भारतीय जैन संघटना के व्यावसायिक सक्षमीकरण अभियान को समझें, संबल दें व समाजजन् विशेषकर युवाओं को सम्बद्ध विविध कार्यक्रमों में प्रतिभागिता हेतु प्रेरित करें.

प्रफुल्ल पारख

राष्ट्रीय अध्यक्ष, भारतीय जैन संघटना

संपादक
प्रफुल्ल पारख, पुणे

कार्यकारी संपादक
निरंजन कुमार जुवाँ जैन, अहमदाबाद

सदस्य
कैलाशमल दुग्गड़, चेन्नई ♦ सुरेश कोठारी, अहमदाबाद ♦ सुदर्शन जैन, बड़नेरा ♦ वीरेंद्र जैन, इंदौर
महेश कोठारी, गोंदिया ♦ संजय सिंघी, रायपुर ♦ राजेंद्र लुंकड़, इरोड़

नई पीढ़ी हेतु व्यापार की नई संभावनाऐं

भारतीय अर्थव्यवस्था के इतिहास पर दृष्टिपात से हम पाते हैं कि अधिकांश बड़ी व प्रतिष्ठित कंपनियाँ या आर्थिक साम्राज्य छोटे व्यवसायियों द्वारा ही खड़े किए गए. भारतीय अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ता प्रदान करने में पारिवारिक व्यवसाय का सूचक अंशदान सदैव से रहा है. प्राईस वाटरहाऊस कूपर्स द्वारा किए गए सर्वेक्षण के अनुसार पारिवारिक व्यवसाय व उनकी महत्वाकांक्षी योजनाओं ने भारतीय अर्थतन्त्र को समय-समय पर नए आयाम प्रदान किए.

पारिवारिक व्यवसाय की अनेक विशेषताओं के उपरांत भी यह एक कटु सत्य है कि कुल व्यवसाय का 12% ही परिवार की तीसरी पीढ़ी तक पहुँच पाता है. अध्ययनों से यह भी पता चलता है कि विविध कारणों के अतिरिक्त दो पीढ़ीयों के बीच का अंतराल भी पारिवारिक व्यवसाय के पीढ़ीगत हस्तांतरण में नकारात्मक एवं अवरोधकीय भूमिका का निर्वहन करता है.

जैन समुदाय पारिवारिक व्यवसाय का संचालन सदियों से कर रहा है व पीढ़ी दर पीढ़ी सफल हस्तांतरण की परंपरा उसकी विशेषताओं में है. भारत के अर्थतन्त्र को योग्य दिशा देने में जैन समुदाय का महत्वपूर्ण योगदान रहा है. किन्तु परिवर्तन प्रकृति का नियम है। इस परिवर्तनशील एवं आधुनिक युग में सर्वाधिक दुष्प्रभाव देश के व्यवसायियों पर पड़ा है. व्यवसाय के वैश्वीकरण की प्रक्रिया ने एक ओर स्थानीय बाज़ारों की अवधारणा को समाप्त सा कर डाला है वहीं दूसरी तरफ व्यवसाय का बदला हुआ स्वरूप एकाधिकार एवं नियंत्रण की सीमाओं का मोहताज नहीं रहा. टेक्नॉलॉजी का विस्तार और उसका व्यवसाय पर कसता शिकंजा,परिवहन एवं संदेश व्यवहार की नई-भूमिकाएं, स्पर्धात्मक बाज़ार आदि परिस्थितियों में बड़े व्यवसाय ही नहीं छोटे व्यापारियों हेतु भी प्रबंधन जैसे मुद्दे महत्वपूर्ण हो गए. बदली हुए स्थितियों में जैन समुदाय का देश के व्यवसाय पर नियंत्रण कमजोर हुआ वहीं पारंपरिक व्यवसाय मृतप्रायः अवस्था प्राप्त करने लगा. व्यवसाय के सफल एवं सामयिक संचालन हेतु शिक्षा अनिवार्य हो गई. गत कुछ दशको में जैन समुदाय में शिक्षा का प्रसार तेजी से हुआ है. उच्च शिक्षित युवा वर्ग का उदय एवं उसके बल पर जैन समुदाय द्वारा संचालित व्यवसाय को नया स्वरूप प्रदान कर देश की अर्थव्यवस्था के मुख्य स्तम्भ बने रहने के स्वप्न साकार न हो सके क्योंकि उनकी व्यवसाय में रुचि ही नहीं रही और वे नौकरियों से ही संतोष करने लगे, जिसके कारण व्यवसाय के पीढ़ीगत हस्तांतरण की संस्कृति अब अस्त होने लगी है. दूसरी ओर जैन समुदाय व्यवसाय-वाणिज्य में शीर्ष स्थान ही नहीं खो रहा अपितु विपरित दिशा में प्रयाण कर रहा है.

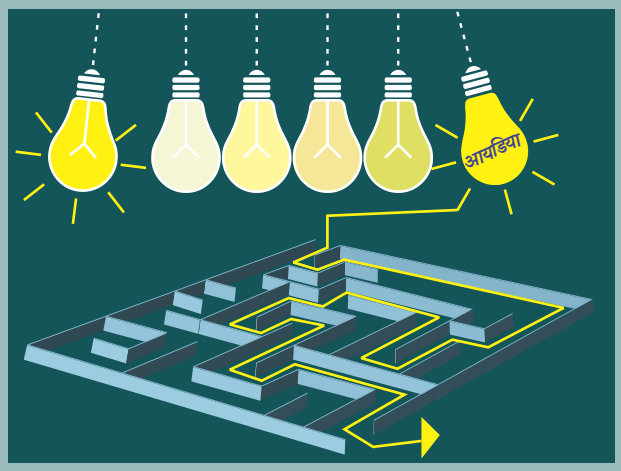

जैन समुदाय में उद्भवित हो रही इस समस्या का निराकरण करने हेतु भारतीय जैन संघटना ने कमर कसी। समस्या के अध्ययन के आधार पर जैन शिक्षित युवाओं को उद्यमिता हेतु प्रेरित करने का निश्चय किया गया। इतना ही नहीं उन्हें योग्य समय पर उचित मार्गदर्शन व एक्स्पोज़र देने का निर्णय लिया गया. इस हेतु एक वर्ष पूर्व iBuD नामक संकल्पना को मूर्त रूप प्रदान किया गया. इस साप्ताहिक कार्यक्रम से 50 के लगभग उच्च शिक्षित युवाओं को देश के मुख्य शहरों के भ्रमण, वहाँ स्थित प्रतिष्ठित प्रबंधन संस्थानों के विभागाध्यक्षों से साक्षात्कार व उन औद्योगिक साम्राज्यों के मांधाताओं से उनकी सफल यात्रा की यश गाथा सुनने,समझने व उनसे संवाद स्थापित कर प्रेरणा प्राप्त करने का अवसर प्रदान कर इनकी वैचारिकता को बदल डालने के साथ व्यावसायिक सकारात्मकता का बीजारोपण करना ही हमारा उद्देश्य है.

अब तक दो iBuD कार्यक्रमों का आयोजन हुआ है जो उद्देश्य एवं परिणामों की कसौटी पर खरे उतरे हैं। iBuD प्रथम 12 से 18 अप्रेल, 2015 एवं द्वितीय 28 सितंबर से 2 अक्टूबर, 2015 जिसमें देश स्थित प्रमुख शहरों के भ्रमण के साथ प्रख्यात भारतीय प्रबंधन संस्थान आदि की मुलाक़ात ली गई. शून्य से सृजन कर आर्थिक साम्राज्य के निर्माताओं सर्वश्री अतुल चोरडिया, डा चैनराज जैन, डा सुरेश भागवतुला, संजय सहाय,प्रो आर मारिया सेलेथ, अरुण जैन, लॉरेंस अड़ाइकलाम, गौरव कपूर, भविन तुरखिया, प्रो. परिमल मर्चेन्ट, निमेष कंपानी, नरेंद्र सुराना, मंगल प्रभात लोढ़ा, डी एस कुलकर्णी एवं श्रीमती किरण मजूमदार शॉ तथा गायत्री शर्मा से उनकी सफल गाथा सुनने व प्रेरित होने के साथ उनसे संवाद स्थापित करने का अवसर प्राप्त हुआ जो इन युवाओं की व्यावसायिक जीवन यात्रा मे उस बीज के अंकुरण समान है जो भविष्य मे आर्थिक साम्राज्य रूपी वटवृक्ष का स्वरूप धारण करेगा। इसके अतिरिक्त इस साप्ताहिक कार्यक्रम में भारतीय जैन संघटना के विशेषज्ञों द्वारा प्रतिदिन की गतिविधियों के आधार पर learning शिक्षण एवं exercises करवाई जाती हैं जो उनकी व्यावसायिक यात्रा रूपी भवन की सुदृढ़ नीव रखने हेतु आवश्यक है.

i BuD मात्र कार्यक्रम नहीं अपितु जैन समुदाय की उच्च शिक्षित युवा पीढ़ी को यथेष्ट मार्गदर्शन प्रदान कर व्यवसायी जैन समाज की प्रतिष्ठा को पुनः प्रस्थापित करने के साथ उसे योग्य दिशा भी देना है ताकि देश की अर्थव्यवस्था में हमारी महत्वपूर्ण भूमिका बनी रहे। i BuD तृतीय का आयोजन 2 अप्रेल से 7 अप्रेल, 2016 को होगा जिसमें युवाओं की प्रतिभागिता अतिआवश्यक है. व्यवसाय के वैश्वीकरण के चलते अब इस कार्यक्रम को अंतर्राष्ट्रीय बनाने के प्रयास किए जा रहे हैं. इसके अतिरिक्त व्यावसायिक जन जागृति अभियान 'बदलोगे तो बढ़ोगे' की 97 कार्यशालाएँ एवं 3 Business Excellence Workshop का आयोजन अब तक किया गया है जो जैन समुदाय की ज्वलंत समस्याओं के निराकरण मे कारगर प्रमाणित हो रहे हैं.

मंथन

नये व्यवसाय-कब, कहाँ और कैसे ?

Nasscom and Zinnov Consulting की रिपोर्ट के अनुसार अमेरिका एवं इंग्लैंड के पश्चात् भारत स्टार्टअप्स में तीसरे क्रम पर है जो निश्चित ही हमारे लिए गर्व का विषय है. संख्या के हिसाब से देश में लगभग 44000 स्टार्टअप्स हैं जिनमें 85000 से अधिक को रोजगार उपलब्ध है. निस्संदेह देश में उन युवाओं के लिए सुयोग्य वातावरण निर्मित हुआ है जो उनके स्वप्नों को साकार कर उद्यमी बनना चाहते हैं.

अभिनव व्यावसायिक वैचारिकता से नए उद्यम स्थापित कर रोजगार खड़े करना अब सरल है. नव उद्यमों के माध्यम से उपलब्ध वैश्विक अवसरों एवं लाभों का दोहन भी अब संभव है. आवश्यकता है स्वयं की उद्यमी के रूप में पहचान स्थापित कर अभिनव विचारों को यथार्थ में बदलने की जो बाज़ार, पूंजी, ज्ञान व ग्राहक की मानसिकता तथा बदलती परिस्थितियों के नियमित अध्ययन से संभव है.

इस लेख का उद्देश्य पारंपरिक एवं पारिवारिक व्यवसाय को निरुत्साहित करना नहीं है अपितु समय की मांग के अनुरूप अभिनवता के महत्व को समझते हुए स्पर्धात्मक बाज़ार मे स्वयं के अस्तित्व को बरकरार रखते हुए सरकारी नीतियों का लाभ भी लेना है. हम सभी इस वास्तविकता से परिचित हैं कि भारत सरकार की **'मेक इन इंडिया'** नीति के तहत् नव व्यवसाय एवं उद्यम हेतु प्रोत्साहन के आशातीत द्वार खुले हैं. 16 दिसंबर, 15 को प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने स्टार्टअप्स योजना का श्रीगणेश किया है जिसका उद्देश्य भी युवा उद्यमियों को प्रोत्साहित करना है. इस योजना के तहत् भारत सरकार द्वारा उद्यमियों को विविध लाभ, छूट,नियम सरलीकरण आदि का लाभ प्राप्त होगा ताकि उन्हें उद्योग एवं उद्यम लगाने में आमतौर पर उत्पन्न होने वाली दिक्कतों का सामना न करना पड़े.

आईये! इस पर विचार करें कि नव व्यवसाय या उद्यम की स्थापना हेतु महत्वपूर्ण मापदंड कौन-कौन से हैं? Nasscom and Zinnov Consulting के सर्वेक्षण अनुसार भारत में स्टार्टअप्स हेतु औसतन आयु 28 वर्ष है. निश्चित ही यह जानकारी देश के शिक्षित नवयुवाओं हेतु उत्साहवर्धक है जो उनके पैरों पर खड़ा होना चाहते हैं. सिक्के का दूसरा पहलू यह भी हैं कि आयु सीमा उनके लिए अवरोध रुप नहीं हैं जो कृतसंकल्पित हैं और स्वयं की पहचान कुछ अभिनव विचारों के माध्यम से बनाना चाहते हैं. 30 से 50 वर्ष भी आदर्श आयु है, जब स्वयं का उद्यम स्थापित किया जा सकता है क्योंकि उम्र के साथ अब तक आवश्यक ज्ञान, अनुभव एवं संभवतः पूंजी आदि भी सुलभ होते हैं. अनुसंधान एवं अध्ययन से पता चलता है कि 40 की आयु किसी उद्यम के शुभारंभ हेतु योग्य होती है क्योंकि गलतियों से अनुभव प्राप्त कर सफलता की सीढ़ियां आसानी से चढ़ी जा सकती हैं. Sandler Training द्वारा किए गए अनुसंधान के आधार पर नव उद्यमों की स्थापना हेतु उद्यमियों की औसत आयु इंग्लैंड में 47 वर्ष है जबकि अमेरिका मे यह 40 वर्ष है. यदि हम विश्लेषण करें तो पाते हैं कि 20 की आयु में आमतौर पर नए उद्यम का विचार जोखिम से भरा होता है। 30 की आयु पारिवारिक जिम्मेवारियों के लिए निश्चित है, अतः 40 की आयु ही इस हेतु योग्य है.

वैसे तो आयु सीमा को किसी निश्चित मापदण्डों के तहत बांधना संभव नहीं हैं. यह तो दूरसंचार के उस नेटवर्क की तरह है जो सशक्त है तो जुड़ेगा ही. स्वयं के विश्वास एवं स्वप्नों को साकार करने का संकल्प ही यथार्थता की प्रतिकृति है.

बीजेएस गतिविधियाँ

पुणे विश्वविद्यालय ने किया श्री शांतीलाल मुथ्था का सम्मान

सावित्री बाई फुले पुणे विश्वविद्यालय ने भारतीय जैन संघटना के संस्थापक श्री शांतिलालजी मुथ्था को 10 फरवरी, 2016 को **"जीवन साधना गौरव"** पुरस्कार से सम्मानित किया. यह सम्मान उन्हें पुणे विश्वविद्यालय के 67वें स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित भव्य कार्यक्रम में पूर्व राष्ट्रपति श्रीमती प्रतिभाताई पाटिल के करकमलों से प्रदान किया गया। पुणे विश्वविद्यालय प्रतिवर्ष 10 फरवरी को ऐसी असाधारण प्रतिभाओं का सम्मान इस पुरस्कार से करता है जिन्होने शिक्षा के विकास एवं समाज सेवा में स्वयं का जीवन समर्पित किया हो.

श्री मुथ्था एक सफल व प्रेरणादायी सामाजिक उद्यमी हैं जिन्होने समाज के उत्थान एवं विकास हेतु अपना सर्वस्व समर्पित किया है.

1,600 लोगोंकी नि:शुल्क प्लास्टिक सर्जरी सम्पन्न

भारतीय अमेरिकी प्रख्यात् सर्जन स्व डा शरद कुमार दीक्षित की स्मृति में भारतीय जैन संघटना एवं अमेरिकी डाक्टर्स (प्लास्टिक सर्जन) दल के संयुक्त आयोजन मे **"नि:शुल्क प्लास्टिक सर्जरी शिविरों"** में इस वर्ष 1,600 मरीजों की सफल शल्य चिकित्सा की गई.

भारतीय जैन संघटना, प्लास्टिक सर्जरी शिविर आयोजन प्रभारी श्री शशिकांत मुनोत ने बतलाया कि डा राज लाला, डा विजय मोरडीया, डा लेरी वेईन्सटाईन, डा मनोज अब्राहम, डा अगस्टिन लुईस, डा रेयान ब्राउन (अमेरिका) के नेतृत्व में 29 सदस्यीय चिकित्सा दल ने महाराष्ट्र एवं कर्नाटक राज्य के 10 शहरों में कुल 3366 मरीजों का प्राथमिक परीक्षण किया, इसमें से 1449 मरीजो को शल्य चिकित्सा योग्य पाये जाने पर उनकी नि:शुल्क प्लास्टिक सर्जरी की गई. महाराष्ट्र के नासिक में 140, अहमदनगर में 119, बीड में 76, नांदेड में 97, रिसोड़ में 65, औरंगाबाद में 439, कोल्हापुर में 110 पुणे में 303, नागपुर में 142 तथा हुबली (कर्नाटक) में 68 मरीज लाभान्वित हुए.

कर्नाटक में 101 जोडों का सामूहिक विवाह सम्पन्न

मूथा वाघमल भुराजी चरिटेबल ट्रस्ट के तत्वावधान में भारतीय जैन संघटना कर्नाटक के पूर्व राज्याध्यक्ष श्री गौतम बाफना के भतीजे एवं उनके अग्रज श्री रमेश बाफना के सुपुत्र श्री श्रीपाल के विवाहोत्सव के अवसर पर सर्व धर्म एवं जातियों हेतु सामुहिक विवाह 3 फरवरी, 2016 को हुबली में आयोजित हुआ. विभिन्न संस्कृतियों के इस अनूठे संगम में 101 युगलो का विवाह सम्पन्न हुआ. इस अति प्रेरणीय एवं अनुकरणीय उत्सव में सामूहिक विवाहों के प्रणेता श्री शांतीलालजी मुथ्था नव विवाहितों को आशीर्वाद देने हेतु उपस्थित रहे. आपने इस अवसर पर कहा कि भारतीय समाज में विवाह बड़ी समस्या है. मध्यमवर्गी परिवार भी वर्षों की जमा पूंजी विवाहोत्सव में व्यर्थ के दिखावे में खर्च कर देता है. इस परंपरा को बदलना चाहिए इसलिए सामूहिक विवाह वर्तमान की जरूरत है व इसे आंदोलन के रूप में प्रतिपादित करने की आवश्यकता है.

व्यवसाय विकास हेतु दो दिवसीय कार्यशाला सम्पन्न

16 व 17 जनवरी, 2016 को प्रख्यात मेनेजमेंट गुरू एवं भारतीय जैन संघटना म0प्र0 के राज्याध्यक्ष श्री राकेश जैन द्वारा कार्यशाला में प्रशिक्षण प्रदान किया गया जिसमें 5 राज्यों के 80 प्रतिभागियों ने भाग लिया. युवा व्यवसायी वर्ग हेतु आयोजित इस कार्यशाला में व्यावसायिक प्रगति की राह में अवरोधों को दूर करने, स्पर्धा, विकास, नेतृत्व कला, वैश्वीकरण की चुनौतियाँ, व्यावसायिक खतरों को कम करने, टेक्नोलॉजी का सफल प्रयोग एवं ऑन लाईन व्यवसाय आदि विषय पर प्रशिक्षण प्रदान किया गया.

भारतीय जैन संघटना के व्यावसायिक सक्षमीकरण अभियान के तहत इस 2 दिवसीय कार्यशाला का यह तृतीय आयोजन था जो युवा पीढ़ी को सफल व्यावसायिक राह के निर्धारण में मील का पत्थर साबित हो रहा है.

iBuD अंतर्राष्ट्रीय बनेगा

उच्च शिक्षित पीढ़ी मे व्यावसायिकता की मानसिकता को विकसित कर व्यवसायी जैन समुदाय की छाप को बनाए रखने के प्रयासों में भारतीय जैन संघटना द्वारा iBuD कार्यक्रम् का सफल एवं परिणामलक्षी क्रियान्वयन् गत एक वर्ष से हो रहा है. किन्तु वाणिज्यिक वैश्वीकरण के दौर में, उच्च शिक्षित् युवा व्यावसायी पीढ़ी को अंतर्राष्ट्रीय एक्स्पोसर प्रदान करना अब आवश्यक हो गया है.

11 फरवरी, 2016 को पुणे में सर्वश्री शांतीलाल मुथ्था, प्रफुल्ल पारख, निरंजन जुवाँ जैन एवं सुभाष परमार की JAINA (USA) के भूतपूर्व अध्यक्ष डा सुशील जैन, USA के साथ मीटिंग में इस विषय पर चर्चा हुई. डा सुशील जैन ने iBuD को अंतर्राष्ट्रीय स्वरूप देने के प्रस्ताव का स्वागत करते हुए आवश्यक रूपरेखा बनाने व अमेरिका तथा इंग्लैंड में विशेषज्ञों से साक्षात्कार, विभिन्न विश्वविद्यालयों, प्रबंधन संस्थाओं एवं प्रमुख उद्योगों में प्रतिभागियों के भ्रमण की योजना शीघ्र बना कर देने का आश्वासन दिया.

प्रतिभाएँ - जो हमारी प्रेरणा के स्रोत हैं

इनसे मिलिए:

श्री ज्ञानचंद आंचलिया

भारतीय जैन संघटना तमिलनाडू राज्याध्यक्ष

श्री ज्ञानचंद आंचलिया नागौर (राज) के पादुकलान गाँव मे पिता श्री पूसालालजी एवं माता श्रीमती सुगनीबाई के परिवार मे 1959 में जन्में तथा व्यवसाय हेतु तमिलनाडू के सिरकाज़ी गाँव मे आ बसे. 1982 में लायन्स क्लब से जुड़ने के पश्चात आपने सामाजिक जीवन में पीछे मुड़कर नहीं देखा. विभिन्न पदों को सुशोभित करते हुए आप वर्ष 1997 में लायन्स क्लब के डिस्ट्रिक्ट गवर्नर बने. मेल्विन जोन्स फ़ॅलोशिप से सम्मानित श्री आंचलिया को लायन्स इंटरनेशनल ने समस्त विश्व के 645 डिस्ट्रिक्ट गवर्नरों में से सर्वश्रेष्ठ गवर्नर घोषित किया. लायन्स क्लब द्वारा सिरकाज़ी में सीनियर सेकेन्डरी स्कूल, पैतृक गाँव पादुकलान में तुलसी तेरापंथ सरकारी अस्पताल व तेरापंथ सभा भवन के निर्माण में आपकी मुख्य भूमिका रही.

कुशल नेतृत्व क्षमता के धनी श्री आंचलिया ने प्रबंधन कुशलता के बल पर व्यवसाय व समाज दोनों में ख्याति प्राप्त की. Jaycees International ने आपको वर्ष 1993 में Young Business Achiever Award से नवाज़ा.

वर्ष 2004 में त्सुनामी से प्रभावित तमिलनाडू के अनेक गाँवो में राहत सामग्री, भोजन, उपचार सहायता व पेयजल की व्यवस्थाएं आपके कुशल नेतृत्व में की गई व त्सुनामी से उजड़े घरों के पुनर्वास हेतु आपने आर्थिक सहायता प्रदान की.

दानवीर श्री आंचलिया सौम्य व्यक्तित्व के धनी हैं. युवा काल से ही सामाजिकता आपके रक्त में प्रवाहित है. आप प्रकृति से धर्मनिष्ठ हैं। वर्तमान मे आप तेरापंथ महासभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष हैं तथा वर्ष 2014-16 हेतु आप भारतीय जैन संघटना के तमिलनाडू राज्याध्यक्ष पद पर सुशोभित हैं.

युवा प्रतिभा :

रितेश अग्रवाल

संकल्प मजबूत हो तो कम उम्र, सामान्य शिक्षण व बिना पूंजी के भी सफलता प्राप्त की जा सकती है. इसे प्रमाणित कर दिखलाया, "OYO ROOMS" के संस्थापक CEO, 22 वर्षीय श्री रितेश अग्रवाल ने.

1993 में कटक (उड़ीसा) के साधारण परिवार में जन्मे रितेश ने 12वीं कक्षा की परीक्षा उत्तीर्ण कर Indian School of Business & Finance, New Delhi में प्रवेश लिया किन्तु स्वयं के विचारों को मूर्तरूप देने हेतु शिक्षण अधूरा छोड़ भारत भ्रमण पर निकल पड़े. अलग-अलग वर्गों की होटलों व ग्राहक की जरूरतों एवं आदतों का अध्ययन किया और यहीं से उनके मस्तिष्क में "OYO ROOMS" का विचार स्फुरित हुआ. "OYO ROOMS" देश का सबसे बड़ा होटल नेटवर्क है जो 2013 में गुड़गांव मे एक सेंटर से प्रारम्भ हो कर आज 160 शहरों में 40000 से अधिक होटल कमरों के माध्यम से कार्यरत है.

श्री रितेश प्रथम प्रवासी एशियन हैं जिन्होने 'Thiel Fellowship' पुरस्कार जीता। यह पुरस्कार उन युवाओं को दिया जाता है जो शिक्षा अधूरी छोड़कर कुछ नए विचारों के साथ उद्यमियों की श्रेणी मे स्वयं का नाम दर्ज़ कराते हैं. इस वर्ष उन्हे बिजनेस इन्साइड ने दुनिया के Hottest Teenage Startup Founders की सूची मे सम्मिलित किया. Business World Young Entrepreneur Award भी रितेश अग्रवाल के नाम है .

हमे इन पर गर्व है:

एडव्होकेट श्री गौतम संचेती

औरंगाबाद

आपका जन्म 30 जनवरी 1951 को वैजापुर (जिला औरंगाबाद) मे पिता स्व. श्री कचरादासजी एवं माता स्व. श्रीमती सूरजबाई के परिवार मे हुआ. LLB तक शिक्षा प्राप्त कर आपने व्यावसायिक जीवन का शुभारम्भ वर्ष 1981 मे किया.

एक व्यवसायी के रूप मे आपने आधुनिक एवं स्पर्धात्मक बाज़ार मे विविध कंपनिया जैसे संचेती गैस बॉटलिंग प्रा.लि, बालाजी जिनिंग एंड प्रेसिंग, सच्चिया लैंड एण्ड अग्रो डेव्हलपर्स प्रा.लि. (लन्दन) की स्थापना कर व्यावसायिक जीवन मे ऊँचाइयों को स्पर्श किया है.

श्री शांतीलालजी मुथ्था से प्रभावित होकर आप भारतीय जैन संघटना से वर्ष 1987 मे जुड़े. तत्पश्चात औरंगाबाद जिला अध्यक्ष, मराठवाड़ा विभागीय अध्यक्ष तथा महाराष्ट्र राज्य अध्यक्ष व राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य आदि पद सुशोभित किये. 1993 के लातूर भूकंप, 2001 के गुजरात भूकंप मे आपने रचनात्मक सेवाएँ प्रदान की. हाल ही मे औरंगाबाद जिला के आत्महत्याग्रस्त किसानो के बच्चों को शैक्षणिक पुनर्वास हेतु पुणे भेजने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई.

वर्ष 2004 से 2008 तक आप Federation of Jain Education Institute महाराष्ट्र के राज्य अध्यक्ष रहे व शिक्षा क्षेत्र के विकास हेतु प्रशंसनीय कार्य किये. आपके नेतृत्व मे 2004 में ओसवाल जैन ट्रस्ट एवं पी.डी.एम. इंग्लिश मीडियम स्कूल की स्थापना हुई जिसके आप अध्यक्ष हैं. दिल्ली पब्लिक स्कूल औरंगाबाद के आप प्रोजेक्ट चेयरमेन हैं . सामाजिक क्षेत्र मे भी श्री संचेती ने अपनी विशेष पहचान बनाई. वैजापुर जैन श्रावक संघ के ट्रस्टी, राजस्थानी विद्यार्थी गृह के 2005 से कोषाध्यक्ष, सकल जैन समाज के सलाहकार, महावीर इंटरनेशनल के सदस्य, जीतो अपैक्स के डायरेक्टर, मराठवाड़ा जीतो चेप्टर के अध्यक्ष, लायंस क्लब औरंगाबाद के सचिव व टेक्स प्रेक्टिशनर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष रहे हैं.

आप कुशल सामाजिक नेतृत्वकार होने के साथ ही प्रभावी व्यक्तित्व के धनी हैं. आप मराठवाड़ा क्षेत्र के उन गिने चुने व्यक्तियो में से एक हैं जिनका नाम आदर व सम्मान के साथ लिया जाता है.

अल्पसंख्यक सूचनाएँ, गतिविधियाँ एवं समाचार

शिक्षा विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों की कार्यशाला हेतु निवेदन

भारतीय जैन संघटना द्वारा अल्पसंख्यक समुदायों की शिक्षण संस्थाओं हेतु संवैधानिक अधिकारों व लाभों पर चलाये जा रहे जागृति एवं जानकारी अभियान के दौरान अध्ययनों एवं अनुभवों से यह वास्तविकता सामने आयी कि लगभग सभी राज्यों के सरकारी तंत्र एवं शिक्षा विभाग के वरिष्ठ अधिकारी संविधान के अनुच्छेद 30 व अन्य सम्बद्ध अनुच्छेदों में वर्णित अल्पसंख्यक शिक्षण संस्थानों के अधिकारों से पूर्णतः अवगत नहीं हैं. राज्य सरकारों द्वारा इस संबंध में बनाए गए अधिनियम या नियम अस्पष्ट हैं और अपूर्ण भी हैं. फलस्वरूप संवैधानिक अधिकारों का हनन् आमतौर पर जानकारी के बाहर होता है.

भारतीय जैन संघटना ने डा नज़मा हेपतुल्ला, केंद्रीय मंत्री अल्पसंख्यक मंत्रालय, भारत सरकार से प्रार्थना की है कि सभी राज्यों के शिक्षा विभाग व संबंधित अधिकारियों हेतु कार्यशाला का आयोजन करे जिसमें एड्व्होकेट पी ए ईनामदार, पुणे सभी अल्पसंख्यक समुदायों की तरफ से भारतीय संविधान के अनुच्छेद 30 व अन्य सम्बद्ध अनुच्छेदों में वर्णित अधिकारों पर विस्तृत जानकारी देंगे व गत वर्षों में न्यायालयों द्वारा दिये गए फैसलों की विवेचना करेंगे ताकि केंद्र व राज्य सरकारों द्वारा अल्पसंख्यक शिक्षण संस्थाओं के अधिकारों के उपयोग में अवरोधों को हटाने का मार्ग प्रशस्त हो सके.

अल्पसंख्यकों हेतु Skill Development Center का शुभारंभ

डा नज़मा हेपतुल्ला, केंद्रीय मंत्री, अल्पसंख्यक मंत्रालय, भारत सरकार ने काश्मीर विश्वविद्यालय, श्रीनगर में स्थापित किए गए Skill Development Centre का उद्घाटन किया जिससे अल्पसंख्यक वर्ग विशेषकर युवा वर्ग को स्थानीय उत्पादों से सम्बद्ध कौशल्य प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा.

ऐसे कौशल्य विकास केन्द्रों की स्थापना मौलाना आज़ाद राष्ट्रीय कौशल्य अकेडेमी के अंतर्गत नवंबर, 2015 में नई दिल्ली में प्रारम्भ की गई जिसका उद्देश्य अल्पसंख्यक समुदाय के युवाओं को प्रधान मंत्री की कौशल्य विकास योजना से लाभान्वित करना है. डा हेपतुल्ला ने कहा कि अल्पसंख्यक विद्यार्थियों एवं विशेषकर युवतियों को कौशल्य प्रशिक्षण प्रदान कर भारतीय अर्थव्यवस्था की गति सुनश्चित करना ही हमारा उद्देश्य है. अल्पसंख्यक मंत्रालय के अधीन बिहार, मुंबई व अब श्रीनगर मे स्थापित इन केन्द्रों मे विशिष्ट प्रशिक्षण दिया जाएगा.

जैन समाज की वास्तविक जनसंख्या का पुर्ननिर्धारण हो

जैन समाज की जनसंख्या के घोषित आंकड़े वास्तविकता से कम होने के कारण स्वतंत्र सर्वेक्षण से वास्तविक संख्या निर्धारण करने की अनुशंसा गृह मंत्रालय को करने की घोषणा डा नज़मा हेपतुल्ला, केन्द्रीय मंत्री, अल्पसंख्यक मंत्रालय, भारत सरकार ने 14 फरवरी, 2016 को नई दिल्ली में आयोजित जैन मायनोरिटी सेल के राष्ट्रीय अधिवेशन में की. सेल के अध्यक्ष श्री ललित गांधी ने छात्रवृत्ति की राशि एवं वितरण का अनुपात बढ़ाने, जैन विधवा पेंशन योजना, तीर्थ क्षेत्र संरक्षण एवं जीर्णोद्धार योजना, जैन शैक्षणिक संस्थानों के निर्माण हेतु प्रोत्साहन अनुदान योजनाएँ आदि प्रारम्भ करने की मांग अल्पसंख्यक मंत्रालय से की.

आधार कार्ड ज़रूर बनवाएँ

भारत सरकार की डिजिटलाइज़ेशन पॉलिसी के तहत आगामी वर्षों मे सरकारी योजनाओं से लाभ प्राप्त करने हेतु आधार कार्ड आवश्यक किये जाने की संभावना है. अल्पसंख्यक समुदायों के शैक्षणिक, व्यावसायिक एवं सामाजिक सक्षमीकरण की अनेक योजनाएँ प्रधानमंत्री के 15 सूत्री कार्यक्रम के तहत अमल मे हैं, जिनसे वे लाभान्वित हो रहे हैं. लाभ प्राप्त करने में आधारकार्ड की आवश्यकता के कारण कोई अवरोध उत्पन्न न हो, अतः परिवार के सभी सदस्यों का आधारकार्ड समय से बनवा लेना हितकर होगा.

केंद्रीय अल्पसंख्यक मंत्री ने राज्य सरकारों से किया आग्रह

देश के उत्तरपूर्वी राज्यों के अल्पसंख्यक समुदाय के विकास की योजनाओं की समीक्षा हेतु आयोजित सभा मे डा नज़मा हेपतुल्ला ने देश की सभी राज्य सरकारों से अपील की कि वे अल्पसंख्यकों के विकास हेतु बाज़ार की मांग एवं पूर्ति आधारित नई योजनाओं के प्रस्ताव मंत्रालय को शीघ्राति शीघ्र प्रेषित करें। मंत्री महोदया ने कहा कि भविष्य में 2011 की जनसंख्या गणना के आधार पर ही योजनाओं का निर्धारण किया जाएगा. इस संबंध मे अल्पसंख्यक जनसंख्या के ब्लॉक स्तर तक व्यापक सर्वेक्षण पूर्ण कर लिए हैं ताकि विकास योजनाओं को लाभ नियत लाभकर्ताओं तक पहुंचे.

Minority Benefits updates नियमित रूप से प्राप्त करने हेतु आपसे प्रार्थना है कि हमारा नंबर

7769082288

आपके मोबाईल सेट में सेव्ह करें.

Please SMS your Name, Mobile no., Email id., City & State

भारतीय जैन संघटना

at

helpminority@bjsindia.org

अधिक जानकारी हेतु हमसे संपर्क करें ।

टेलीफोन नंबर

020 4120 0600, 4128 0011, 4128 0012

IBUD
IGNITING BUSINESS DEVELOPMENT
3

For young entrepreneurs

Eligibility Criteria: Age : 25-40 years

Ultimate & cost effective Business Exposure experience! @ Rs. 50,000/-*

Open for ALL aspiring entrepreneurs

Business Exposure Tour of 6 days

(2nd April – 7th April 2016)

•Ahemdabad •Mumbai •Jalgaon •Pune •Chennai •Hyderabad

- See how the Dreams came True
- Believe the business empires created from scratch
- Experience the moments of learning from premier management schools

HURRY UP! Limited Seats

*Inclusive of travel, accommodation, & food for all 6 days

Apply at: www.bjsindia.org/ibud.html

Athena Endorsing quality of education
Athena Advanced Learning Solutions Pvt. Ltd.

BJS
Bharatiya Jain Sanghatana

Cover Photo:http://readmt.com/images/content/sized/images/content/articles/Container_ship_-_sustainable.jpg_660_446_60.jpg

RNI No.-MAHBIL 07247/2015

BJS
Bharatiya Jain Sanghatana

Level IV, Muttha Towers, Loop Road,
Near Don Bosco Church, Yerawada, Pune 411006
Tel. : 020 4120 0600, 4128 0011, 4128 0012
Website : www.bjsindia.org E mail : info@bjsindia.org Facebook : www.facebook.com/BJSIndia

मुद्रक तथा प्रकाशक – प्रफुल्ल पारख द्वारा भारतीय जैन संघटना के लिये प्रभात प्रिंटिंग वर्क्स, ४२७, गुलटेकड़ी, पुणे – ४११०३७ से मुद्रित तथा मुथ्था टावर, लूप रोड, नियर डॉन वास्को चर्च, येरवडा, पुणे – ४११००६ से प्रकाशित. सम्पादक – प्रफुल्ल पारख, फ़ोन – (०२०) ४१२००६००
Rs. 10/- Life Subscription